

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजी०) चेन्नई

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : जून 2012

समय : 3 घण्टे

प्रश्न पत्र-I

कुल अंक : 50

कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य हैं। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-I (साधारण ज्योतिष)

1. (क) ज्योतिष में स्कन्धत्रय का वर्णन करें। अन्य किन शाखाओं को इसमें सम्मिलित किया जा सकता है?
(ख) रिणानुबन्धन को उदाहरण के साथ समझाए।
(ग) भाग्य तथा स्वतंत्र इच्छा शक्ति पर चर्चा करें।
2. रिक्त स्थान भरें।
(क) ग्रंथकार ----- जिन्होंने ताजिक के बारे में लिखा तथा परिणाम दिए।
(ख) उत्पल भट्ट के द्वारा लिखित ग्रंथ ----- हैं।
(ग) वैवज्ञव्य वल्लभ के रचियता ----- हैं।
(घ) भद्रेश्वर के द्वारा ----- रचित है।
(ङ) समस्त भूमि तत्व राशियाँ ----- को दर्शाते हैं। (पुरुषार्थ)
(च) जन्मांग में ----- भाव मोक्ष भाव को दर्शाते हैं।
(छ) वेदान्त में शिक्षा ----- से सम्बन्धित है।
(ज) ----- प्राचीनतम वेद है।
(झ) ----- त्रिकोण में दूसरी कोई मूल त्रिकोण राशि नहीं होती है।
(ञ) मध्य काल में, ----- की रचना भारद्वाज भट्ट ने की थी।
3. ग्रहों की भूमिका के पीछे विज्ञान की क्या भूमिका है?
4. (क) भगवान विष्णु के दशावतारों के वंश से ग्रह दर्शाते हैं।
(ख) संचित, प्रारब्ध और क्रियाभाज कर्म की व्याख्या करें।
5. निम्न के उत्तर दें।
(क) आगामी कर्म क्या है?
(ख) कारण शरीर की व्याख्या करें।
(ग) वेदान्तों के नाम लिखें।
(घ) शकुन की महत्ता का वर्णन करें।

भाग-II (ज्योतिष से सम्बन्धित खगोल शास्त्र)

6. निम्नलिखित के उत्तर दें।
(क) सूर्य तथा चंद्रमा कभी कभी क्यों नहीं होते, समझाए।
(ख) स्पष्ट रेखाचित्र की सहायता से ऋतुओं के परिवर्तन का वर्णन करें।
7. उत्तर दें :-
(क) पात क्या हैं?
(ख) चंद्र ग्रहण किस प्रकार होता है?
8. यदि सूर्य 96 अंश तथा चंद्रमा 7 अंश पर है तो, तिथि, नक्षत्र योग तथा करण की गणना करें।
9. स्पष्ट चित्र की सहायता से ग्रहों के वक्रों होने की क्रिया का उल्लेख करें।
10. पाश्चात्य तथा भारत की वैदिक ज्योतिष में क्या अंतर है?

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजी०) चेन्नई

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : जून 2012

समय : 3 घन्टे

प्रश्न पत्र-II

कुल अंक : 50

कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य है। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-I (गणित ज्योतिष)

- 05 मई 2012 को दोपहर 12 बजे चेन्नई में जन्में जातक का लग्न निर्धारण करें तथा जन्मांग में सभी ग्रहों की स्थिति को दर्शायें।
- किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दें :-
(क) विंशोत्तरी दशा शेष की गणना करें यदि चंद्रमा 9रा. 8 अंश 10 मिनट पर स्थित है।
(ख) 76ई30 तथा 70ई40 के लिए स्थानीय समय की गणना करें यदि भा.मा.स. 8:30 सांय है।
(ग) घटी विघटी में बदले :-
i) 8 बजकर 20 मिनट 15 सेकण्ड ii) 16 बजकर 30 मिनट 20 सेकण्ड
- षड्वर्ग की व्याख्या करें तथा नीचे दिए जन्मांग के लिए होरा, नवांश व दशांश का निर्धारण करें।
लग्न-कन्या 22:02, रवि-मिथुन 23:04, चंद्र-कुम्भ 09:15, मंगल-कर्क 05:25
बुध-मिथुन 02:06, बृहस्पति-कर्क 12:10, शुक्र-मिथुन 08:19, शनि(व)-तुला 21:21, राहु-धनु 03:15, केतु-मिथुन 03:15
- निम्न के उत्तर दें।
(क) चार प्रधान बिन्दु
(ख) अयनांश, (ग) सायन वर्ष (घ) सम्पातिक समय
- किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दें।
(क) स्थान का अक्षांश (ख) निरायन प्रणाली (ग) मानक समय
(घ) अंतर्राष्ट्रीय तिथि रेखा (ङ) भूचक्र

भाग-II (फलित ज्योतिष)

- बारह लग्नों के योग कारक ग्रह कौन से हैं? इन्हें योग कारक ग्रह क्यों कहा जाता है? व्याख्या करें।
- लग्न-धनु 2:59, सूर्य-कन्या 0:29, चन्द्र-मकर 17:36, मंगल-सिंह 24:09
बुध-कन्या 09:11, बृहस्पति-सिंह 19:02, शुक्र-तुला 03:04, शनि-सिंह 22:11
राहु-धनु 17:53
उपरोक्त जन्मांग की सहायता से निम्नलिखित के उत्तर दें।
(क) कौन से ग्रह लग्न पर दृष्टि डालते रहें हैं?
(ख) जन्मांग में उपस्थित दो योगों के नाम बतायें।
(ग) कौन सा ग्रह मूल त्रिकोण राशि पर स्थित है?
(घ) अग्नि तत्त्व राशि में स्थित ग्रहों के नाम बतायें।
(ङ) अपने शत्रु राशि पर स्थित ग्रहों के नाम बतायें।
(च) इस लग्न के योग कारक ग्रह कौन से हैं?
(छ) कौन से ग्रह अपनी राशि को देखते हैं?
(ज) कौन से ग्रह अपनी राशियों पर स्थित हैं?
(ञ) कौन से ग्रह त्रिषडाय पर दृष्टि डाल रहे हैं?
(ट) मारक ग्रहों के नाम बतायें।
- कैदार योग, पाप-कर्तरी योग, गज केसरी योग तथा वासी योग का उदाहरण के साथ वर्णन करें।
- निम्नलिखित की व्याख्या करें :-
(क) जन्म समय संशोधन क्या है? (ख) सिंह, तुला तथा मकर के गुण धर्म बतायें।
- चंद्रमा के द्वादश भावों में स्थिति के सामान्य फल क्या हैं?

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजी०) चेन्नई

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : जून 2012

प्रश्न पत्र-III

समय : 3 घन्टे

कुल अंक : 50

कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य हैं। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-I (ज्योतिष योग)

1. (क) जन्मपत्री में विवाह व संतान जैसी महत्वपूर्ण घटनाओं पर किस प्रकार ज्योतिषिय विचार करते हैं?
(ख) निम्न कुण्डली में 26 अगस्त 1910 को जन्में जातक की विवाह संभावनाओं या अन्यथा पर विचार करें।

राशि - लग्न-धनु, सूर्य-सिंह, चन्द्र-मेष, मंगल-सिंह, बुध-कन्या,
बृहस्पति-कन्या, शुक्र-कर्क, शनि (व)-मेष, राहु-वृषभ

नवांश - लग्न-मेष, सूर्य-मिथुन, चन्द्र-वृश्चिक, मंगल-तुला, बुध-कुम्भ
बृहस्पति-कर्क, शुक्र-वृश्चिक, शनि-सिंह, राहु-मकर

2. किन्हीं चार पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें :-
(क) श्रीकान्त योग (ख) पारिजात योग
(ख) लक्ष्मी नारायण योग (ग) दरिद्र योग
(ङ) सरस्वती योग
3. निम्न के क्या प्रभाव हैं?
(क) नीच ग्रह (ग) वक्री ग्रह
(ख) वर्गोत्तम ग्रह (घ) अस्त ग्रह
4. फलादेश में नक्षत्रों के क्या महत्व हैं? रेवती तथा अश्विनी का वर्णन करें।
5. (क) शुक्रकी तुला स्थिति पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।
(ख) मिथुन लग्न में जन्में जातकों के सामान्य गुण धर्म क्या हैं?

भाग-II (दशा व गोचर)

6. किन्हीं दो के उत्तर दें :-
(क) योगिनी महादशा के सामान्य फल क्या हैं।
(ख) बृहस्पति महादशा (विंशोत्तरी) के सामान्य फल क्या हैं?
(ग) विंशोत्तरी के अंतर्गत फलादेश में अंतर्दशा स्वामी की क्या भूमिका है?
7. (क) वेध तथा विपरीत वेध क्या हैं? कुण्डली की सहायता से समझाएं।
(ख) मूर्ति निर्णय नियम पर टिप्पणी लिखें।
8. कक्षा क्या है तथा जन्म राशि में शनि गोचर प्रक्रिया में यह कैसे प्रयोग होती है?
9. चंद्रमा से विभिन्न भावों में शुक्र के गोचर परिणाम लिखें।
10. ग्रहों के गोचर परिणाम के लिए चंद्रमा की महत्ता क्यों है? द्वि गोचर सिद्धान्त से क्या अभिप्राय है?

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजी०) चेन्नई

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : जून 2012

प्रश्न पत्र-IV

समय : 3 घंटे

कुल अंक : 50

कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य हैं। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-I (ताजिक शास्त्र)

- वर्ष 2012 फलादेश के लिए बृहस्पतिवार 23 जनवरी 1977 को सांय 4.28 बजे इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश में जन्में जातक का वर्ष कुण्डली बनायें।
- त्रिपताका चक्र के क्या सिद्धान्त है? वर्षफल में त्रिपताकी से किस प्रकार फलादेश किया जाता है?
- निम्न कुण्डली के लिए हर्षबल की गणना करें।
मुन्या-वृषभ, लग्न-वृषभ 29:48, सूर्य-वृश्चिक 17:58, चन्द्र-मीन 11:19
मंगल-सिंह 16:48, बुध (व)-वृश्चिक 17:36, बृहस्पति (व)-मेष 07:07
शुक्र-धनु 15:53, शनि-तुला 02:02, राहु-वृश्चिक 20:16
(जन्म 3.12.1953, 21:10, दिल्ली)
- निम्न प्रश्नों के उत्तर दें।
(क) बन्धन सहम (ख) कार्य सिद्धि सहम
(ग) नवत योग (घ) मनाऊ योग
- शास्त्रों के अनुसार प्रश्न 3 में दिए नवग्रहों के क्या परिणाम हैं?

भाग-II (मुहूर्त)

- शिक्षा प्रारम्भ तथा गृह प्रवेश मुहूर्त निकालते समय किन बातों को ध्यान में रखना चाहिए?
- निम्न के लिए किन तथ्यों को ध्यान में रखना चाहिए :-
(क) व्यापार मुहूर्त, बृहत् स्तर पर
(ख) राज्यनिषेक मुहूर्त.
(ग) तृतीय ऋण
- सही या गलत
(क) ज्येष्ठ शुक्ल द्वितीया तिथि शुभ परिणाम देती है।
(ख) जय तिथी (3,8,13) यदि बुधवार को पड़ती है, तो यह सिद्ध योग है।
(ग) सोमवार का देवता शिव है।
(घ) प्राकृतिक रूप से पुनर्वसु नक्षत्र स्थिर नक्षत्र है।
(ङ) हर्षन योग शुभ योग है।
(च) जन्म नक्षत्र रोहिणी के लिए, पुनर्वसु, विशाखा और पूर्व भाद्र क्षेम तारा हैं।
(छ) गृह प्रवेश मुहूर्त में यदि बृहस्पति चतुर्थ भाव में है तो शुभ होता है।
(ज) कन्या लग्न में मंगल द्वितीय भाव में विराजमान होने पर मंगल दोष नहीं होता है।
(झ) सूर्य के गोचर नक्षत्र से सप्तहवां नक्षत्र विवाह मुहूर्त के लिए शुभ है।
(ञ) अष्टम चंद्र व चतुर्थ बृहस्पति से बालारिष्ट योग बनता है।
- विवाह मुहूर्त तय करने के लिए ज्योतिषीय आधार क्या हैं?
- शुभ मुहूर्त का चुनाव हम क्यों करते हैं? शुभ मुहूर्त के चुनाव से क्या परिणामों को बदला जा सकता है?